नईदुनिया

टाटा मोटर्स ने जून में की 33,656 यूनिट्स डिस्पैच, दबदबा कायम

नई दिल्ली

भारतीय इलेक्ट्रिक कार (ईवी) बाजार में एक बार फिर टाटा मोटर्स का दबदबा कायम रहा, जिसने जून 2026 में 14,657 यूनिट्स कारों का डिस्पैच दर्ज किया। टाटा के डिस्पैच में मासिक आधार पर 41.2 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी देखी गई, जबकि मई 2026 में यह आंकड़ा 10,377 यूनिट्स था। टाटा मोटर्स की इस सफलता के पीछे पंच ईवी और नेक्सन ईवी को ग्राहकों से मिला जबरदस्त रिस्पान्स है। इसके अलावा, टियागो ईवी और बाजार में हाल ही में कदम रखने वाली नई सिएरा ईवी ने भी कंपनी की स्थिति को काफी मजबूत किया है। बिक्री के लिहाज से, टाटा पंच ईवी को सबसे ज्यादा ग्राहक मिले, जबकि टाटा नेक्सन ईवी दूसरे नंबर पर रही। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर महिंद्रा रही, जिसने 8.1 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ कुल 7,603 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया। वहीं, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर 33.8 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ 5,971 यूनिट्स डिस्पैच करके तीसरे स्थान पर रही। मारुति सुजुकी ने 39.2 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 2,003 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया और चौथे स्थान पर रही।

दूसरी ओर, वियतनाम की कार निर्माता कंपनी विनफ़ास्ट को 18.3 प्रतिशत की मासिक गिरावट का सामना करना पड़ा और उसने कुल 1,928 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया। किया 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 711 यूनिट्स के साथ छठे स्थान पर रही। सबसे चौंकाने वाली बढ़ोतरी टोयोटा की रही।

टाटा कंज्यूमर की बढ़ती लागत, मुनाफे के बावजूद उत्पादों के दाम बढ़ने की संभावना , टाटा टी, टेटली जैसे ब्रांड्स पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने संकेत दिया कि यदि इनपुट लागत में अस्थिरता बनी रहती है, तो वह अपने चुनिंदा उत्पादों की कीमतें बढ़ा सकती है। यह चेतावनी तब आई है जब कंपनी ने खाने-पीने की चीजों की दमदार बिक्री और ग्रामीण भारत की मजबूत मांग के कारण एक मजबूत तिमाही लाभ दर्ज किया है। कंपनी के एक कार्यकारी ने स्पष्ट किया कि कमोडिटी और पैकेजिंग की बढ़ती लागत मार्जिन पर दबाव डाल रही है, जिससे कीमतें बढ़ाना एक मजबूरी बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति ने व्यापार मार्गों को बाधित किया है और वैश्विक स्तर पर इनपुट लागत में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, डालर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से यह दबाव और बढ़ गया है, जिससे भारतीय कंपनियों को अपने मार्जिन बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने, पैक का आकार घटाने या लागत में कटौती जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अगस्त में आईपीओ की धूम, जेप्टो सहित 12 से अधिक कंपनियां जुटाएंगी 25,000 करोड़

नई दिल्ली। अगले महीने अगस्त में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में जबरदस्त गतिविधियां देखने को मिलेंगी। एक दर्जन से अधिक कंपनियां कुल मिलाकर 25,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाने के लिए अपने आईपीओ लाने की तैयारी में हैं, जिसका मुख्य कारण बाजार की स्थिरता और निवेशकों का बढ़ता भरोसा है। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार इन आगामी आईपीओ में नए शेयर जारी करने के साथ-साथ मौजूदा शेयरधारकों की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। इक्विरस कैपिटल के एक अधिकारी ने बताया कि निवेशकों की बेहतर धारणा के चलते कई कंपनियां, जिन्होंने पहले अपनी आईपीओ योजनाओं को टाला था, अब आगे बढ़ रही हैं। सबसे बड़े प्रस्तावित आईपीओ में त्वरित वाणिज्य मंच जेप्टो का नाम प्रमुख है, जो नए शेयर जारी कर 8,010 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रहा है। इसमें 11.34 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश भी शामिल होगी। आवास वित्त कंपनी ट्रूहाम फाइनेंस 3,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की तैयारी में है, जिसमें 1,500 करोड़ रुपये का नया निर्गम और इतनी ही राशि का ओएफएस शामिल है।

आईटीआर फाइलिंग की अंतिम तिथि 31 जुलाई, चूकने पर आईटीआर-यू से सुधारें गलतियां

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई बेहद करीब है। अब तक एक करोड़ से अधिक लोग अपना रिटर्न दाखिल कर चुके हैं। यदि आपने अभी तक यह जरूरी काम नहीं निपटाया है, तो जल्द पूरा करें। साथ ही, आयकर विभाग ने उन करदाताओं को भी मौका दिया है जो पिछले सालों का रिटर्न दाखिल करना भूल गए थे या अपनी आय का सही खुलासा नहीं कर पाए थे; वे अब अपडेटेड रिटर्न के जरिए अपनी पुरानी गलतियों को सुधार सकते हैं। आईटीआर-यू, आयकर अधिनियम की धारा 139(8ए) के तहत एक विशेष सुविधा है। यह करदाताओं को सामान्य रिटर्न की समय-सीमा चूकने पर भी पुरानी आय घोषित करने और कानूनी कार्रवाई से बचने की अनुमति देती है। करदाता संबंधित असेसमेंट ईयर खत्म होने के 48 महीने (4 साल) के भीतर अपना आईटीआर-यू दाखिल कर सकते हैं। इसका उपयोग तब होता है जब आपने मूल आईटीआर दाखिल नहीं किया, पिछली रिटर्न में कुछ अतिरिक्त आय दिखाना भूल गए, अपनी आय कम दिखाई या अपनी टैक्स देनदारी सही करनी हो। हालांकि, आईटीआर-यू का उपयोग टैक्स कम करने, रिफंड क्लेम करने या नुकसान दिखाने के लिए नहीं किया जा सकता, न ही यदि आपके खिलाफ इनकम टैक्स की रेड या सर्वे हो चुका हो। आईटीआर-यू भरने पर आपको देरी के हिसाब से अतिरिक्त टैक्स देना पड़ता है: 12 महीने के भीतर कुल टैक्स और ब्याज का 25 फीसदी अतिरिक्त, और 12 से 48 महीने के भीतर 50 से 70 फीसदी तक अतिरिक्त टैक्स। आईटीआर-यू से रिफंड नहीं मिलता; यह सिर्फ बकाया टैक्स चुकाने और छूटी हुई आय बताने के लिए है।

40 साल में विमान की सीटें 4 इंच और छोटीः किराया बढ़ा लेकिन यात्रियों का आराम घटा; लंबी उड़ानों में परेशानी

नई दिल्ली । पिछले चार-पांच दशकों में विमान यात्रा का स्वरूप काफी बदल गया है। यात्रियों की संख्या बढ़ने और लागत कम रखने की कोशिश में विमान कंपनियों ने इकोनामी श्रेणी की सीटों के बीच की दूरी और चौड़ाई लगातार घटाई है। वहीं, इसी अवधि में लोगों की औसत शारीरिक चौड़ाई (मोटापा) बढ़ी है, जिससे लंबी यात्राओं में असुविधा बढ़ने लगी है। 40 साल में सीटों का आकार कितना बदल गया विमानन उद्योग की कई रिपोर्टों और विमान कंपनियों के सीट विन्यास के विश्लेषण के अनुसार, 1980-90 के दशक में इकोनामी श्रेणी में दो सीटों के बीच की दूरी (सीट पिच) 34 से 35 इंच होती थी। अब अधिकांश विमान कंपनियों में यह घटकर 30 से 31 इंच रह गई है। भारत की कम लागत वाली विमान सेवाओं में यह दूरी 28 से 29 इंच तक है। यानी यात्रियों के पैरों के लिए उपलब्ध जगह औसतन 4 से 7 इंच कम हो गई है। सीटों की चौड़ाई भी पहले की तुलना में कम हुई है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक, सप्ताह में 10 हजार रुपये तक महंगी हो गई चांदी

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है।

भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो लगातार उठापटक होने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में उछाल आया है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। चांदी भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। इस तेजी के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का खुल रहा आईपीओ, जीएमपी 50 रुपए पर पहुंचा

नई दिल्ली

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने 560 रुपए से 590 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। शुक्रवार को इसका ऐलान हुआ। इस आईपीओ पर दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में स्थिति अच्छी है, जिसकी वजह से पहले दिन ही पाजिटिव लिस्टिंग की उम्मीद बंध गई है।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 31 जुलाई तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका मिलेगा। इस आईपीओ का साइज 9275.22 करोड़ रुपए का है। कंपनी इश्यू के जरिए 13.56 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, आफर फार सेल के जरिए 2.16 करोड़ शेयरों की बिक्री होगी। कंपनी ने 25 शेयरों का एक लाट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14750 रुपए का निवेश करना होगा। बता दें, कंपनी बीएसई और एनएसई दोनों जगह लिस्ट होगी। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 56 रुपए की छूट दी है।

मौजूदा बाजार की खराब स्थिति होने के बाद भी यह मेनबोर्ड आईपीओ ग्रे मार्केट में आईपीओ अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्रे मार्केट में शुक्रवार को यह 50 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड किया। आईपीओ का कम से कम 75 फीसदी हिस्सा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा और एनआईआई के लिए भी अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा ही इश्यू का रिजर्व रहेगा।

रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुलेगा, 31 तक लगा सकेंगे दांव

मौजूदा समय में कंपनी मल्टी-स्पेशिएलिटी हास्पिटल्स, क्लिनिक और डायग्लोनिस्ट सेंटर चलाती है। कंपनी के हास्पिटल्स में आर्गन ट्रांसप्लांट्स, कार्डियोलाजी, न्यूरोलाजी जैसे गंभीर बिमारी इलाज किया जाता है। 5378 करोड़ रुपए मौजूदा सभी कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा। साहद्री हास्पिटल प्राइवेट लिमिटेड में मामूली हिस्सा खरीदने के लिए 574 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

तीन और नई हाइब्रिड एसयूवी दस्तक देने के लिए तैयार

नई दिल्ली। चालू साल के अंत तक देश में तीन और नई हाइब्रिड एसयूवी दस्तक देने के लिए तैयार हैं। ये तीनों नए माडल दमदार एसयूवी सेगमेंट के होंगे। ये आगामी हाइब्रिड गाड़ियां न सिर्फ बेहतरीन ड्राइविंग एक्सपीरियंस देंगी, बल्कि इनका माइलेज भी बेहद शानदार होने वाला है। जापानी कार निर्माता कंपनी होंडा अपनी नई एसयूवी, होंडा जेडआर-वी हाइब्रिड को भारत में पेश करने वाली है। वैश्विक बाजार में यह एचआर-वी और सीआर-वी के बीच स्लाट की जाती है, और भारत में इसका सिर्फ पेट्रोल-इलेक्ट्रिक हाइब्रिड वैरिएंट लान्च किया जाएगा। इसकी डिलीवरी इसी महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। इस गाड़ी में 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर मिलेगी, जो मिलकर 181बीएचपी की पावर जनरेट करते हैं और 22.8 किमी/लीटर का शानदार माइलेज देने में मदद करते हैं। इसे जापान से पूरी तरह बनी-बनाई (सीबीयू) इम्पोर्ट किया जाएगा। किया मोटर्स आगामी अक्टूबर महीने के आसपास अपनी प्रीमियम डी-सेगमेंट एसयूवी, किआ सोरेंटो हाइब्रिड को भारत में लान्च कर सकती है। यह इस सेगमेंट में स्कोडा कोडियाक को टक्कर देने वाली पहली हाइब्रिड गाड़ी होगी।

आरबीआई लाएगा प्लास्टिक के नोट, 34 करोड़ पालीमर शीट्स के लिए टेंडर जारी

टिकाऊपन और सुरक्षा की दिशा में नई क्रांति, बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश की मुद्रा प्रणाली में एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है, जिसके तहत जल्द ही प्लास्टिक (पालीमर) के नोट प्रचलन में आ सकते हैं। आरबीआई की सहायक कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) द्वारा लगभग 34 करोड़ पालीमर शीट्स खरीदने के लिए जारी किया गया हालिया टेंडर इस ओर स्पष्ट संकेत देता है कि पारंपरिक कागजी नोटों का स्थान भविष्य में प्लास्टिक नोट ले सकते हैं। यह कदम चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जो 2012-13 में कुछ शहरों में परीक्षण की पूर्व योजना के अधूरे रहने के बाद अब साकार होता दिख रहा है।

विश्लेषण दुनिया के कई देश पहले से ही प्लास्टिक नोटों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं और अब भारत भी इस वैश्विक चलन का हिस्सा बनने की तैयारी में है। प्लास्टिक नोटों को अपनाने के पीछे कई ठोस कारण हैं। सबसे प्रमुख लाभ इनका अत्यधिक टिकाऊपन है; ये कागजी नोटों की तुलना में 2 से 6 गुना अधिक चलते हैं, पानी, गंदगी और फटने के प्रति अधिक प्रतिरोधी होते हैं। इससे आरबीआई को नोटों की छपाई, वितरण और नष्ट करने पर होने वाले सालाना हजारों करोड़ रुपये के खर्च में भारी कमी आएगी, क्योंकि बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी।

पिछले दस वर्षों में नोटों की छपाई पर 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि इनकी लंबी उम्र संसाधनों (कागज, स्याही, पानी, ऊर्जा) की खपत कम करती है और पुराने नोटों को आसानी से रीसाइकिल करके अन्य उपयोगी उत्पाद बनाए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी प्लास्टिक नोटों को आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस करना आसान होता है, जिससे इनकी नकल करना बेहद मुश्किल हो जाता है और नकली नोटों पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

महिंद्रा नए माडल, बीई 07 को लान्च करने के लिए तैयार

नई दिल्ली

देसी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज को और मजबूत करने की तैयारी कर रही है। महिंद्रा कंपनी अपने नए माडल, बीई 07 को लान्च करने के लिए तैयार है। पहली बार एक कांसेप्ट के रूप में पेश की गई यह गाड़ी अब प्रोडक्शन के बेहद करीब लग रही है। हालांकि, कार पूरी तरह से कवर थी, लेकिन इसके आकार और लुक को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह बाजार में मौजूद कई बड़ी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को कड़ी टक्कर देगी।

यह नई इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा के पोर्टफोलियो में पहले से मौजूद बीई 6 के ऊपर पोजिशन की जाएगी। टेस्टिंग के दौरान दिखे माडल से साफ पता चलता है कि इसका आकार बीई 6 से काफी बड़ा है। कंपनी ने इसे एक पारंपरिक एसयूवी का डिजाइन दिया है, जो उन ग्राहकों को काफी पसंद आ सकता है जो आधुनिक तकनीक और दमदार परफार्मेंस चाहते हैं। इसके सीधे और ऊंचे डिजाइन की वजह से रोड प्रेजेंस काफी शानदार होने वाली है। गाड़ी के फ्रंट लुक की बात करें तो, भारी कैमफ्लाज के कारण डिटेल्स पूरी तरह साफ नहीं हैं। हालांकि, उम्मीद है कि इसमें महिंद्रा की सिग्नेचर सी-शेप वाली एलई डी डेटाइम रनिंग लाइट्स देखने को मिलेंगी। इसके ठीक नीचे हेडलैंप्स दिए जा सकते हैं। गाड़ी का फ्रंट बम्पर काफी मस्कुलर नजर आ रहा है, जिसमें नीचे की तरफ एयर इनटेक्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल पर नजर डालें तो इसमें फ्लश-फिटिंग पाप-आउट डोर हैंडल्स और बड़े अलाय व्हील्स देखने को मिलते हैं।

इसके अलावा गाड़ी में बिना फ्रेम वाले दरवाजे दिए गए हैं। कंपनी ने अभी तक इसके इंटीरियर का खुलासा नहीं किया है। माना जा रहा है कि बीई 07 में महिंद्रा का नया प्रीमियम ईवी केबिन थीम मिलेगा। इसके डैशबोर्ड पर कई बड़ी स्क्रीन्स देखने को मिल सकती हैं। फीचर्स के तौर पर इसमें कनेक्टेड कार टेक्नोलाजी, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और 360-डिग्री कैमरा मिल सकता है। इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पैनोरमिक ग्लास रूफ और एक प्रीमियम आडियो सिस्टम भी इसका हिस्सा होंगे। पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 59 केडब्ल्यूएच, 70 केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं। गाड़ीवाड़ी के अनुसार, यह कार सिंगल चार्ज में करीब 600 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है।

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसने कच्चे तेल की कीमतों को एक बार फिर 100 डालर प्रति बैरल के करीब पहुंचा दिया है। इस महीने अब तक 32 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल भारत के लिए आयात बिल और महंगाई बढ़ाने की चिंता पैदा कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिका में 10 साल के बान्ड की यील्ड 4.7 फीसदी के बहु-वर्षीय उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिससे वैश्विक निवेशक जोखिम भरे उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित जगहों की तरफ रुख कर रहे हैं। इसका असर रुपये पर भी दिख रहा है, जो अपने सर्वकालिक निचले स्तर के करीब पहुंच रहा है। तकनीकी रूप से बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी का ढांचा कमजोर हुआ है। इसके लिए तत्काल सपोर्ट 23,600 के स्तर पर है, जिसके टूटने पर बिकवाली तेज होकर 23,300 तक जा सकती है। ऊपर की तरफ 24,000 का स्तर एक बड़ी रुकावट बना हुआ है, और जब तक यह पार नहीं होता, हर तेजी पर बिकवाली की रणनीति ही उचित रहेगी। बैंक निफ्टी के लिए 56,000 से 56,100 का दायरा अहम सपोर्ट है, और 57,300 पर कड़ा रेजिस्टेंस बना हुआ है। शेयर बाजार की इस उथल-पुथल के बीच, सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की चमक लगातार बरकरार है।